खबर संक्षेप

शहडोल में अवैध मॉडिफिकेशन पर पुलिस कार्रवाई

शहडोल। शहर की सडक़ों को लाइटिंग शो और शोर का अड्डा बनाने वाले वाहन मालिकों के साथ-साथ अब उन दुकानदारों की खैर नहीं है जो मोटी कमाई के चक्कर में सुरक्षा मानकों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। शहडोल यातायात पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का हवाला देते हुए शहर के प्रमुख कार डेकोरेटर्स और एक्सेसरीज विक्रेताओं को अंतिम चेतावनी (नोटिस) जारी कर दी है। यातायात थाना प्रभारी संजय जायसवाल ने प्रीमियम कार वॉशिंग एंड एक्सेसरीज (कोटमा तिराहा), एमबीए कार वाला (भान पैलेस के पास) और अमन कार डेकोरेटर्स सहित कई संस्थानों को कड़े लहजे में नोटिस थमाया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा रिट पिटीशन नं. 295/2012 में पारित निर्णय के तहत वाहनों में किसी भी तरह का अनधिकृत हस्तक्षेप अपराध की श्रेणी में आता है। चेकिंग के दौरान पाया गया है कि ये दुकानदार धड़ल्ले से वाहनों में हाई बीम लाइट, डैजलिंग एलईडी और अवैध हूबर/सायरन फिट कर रहे हैं। यातायात पुलिस द्वारा जारी नोटिस में स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि हैलोजन बल्ब अधिकतम 60 वॉट और एलईडी बल्ब अधिकतम 55 वॉट क्षमता के ही लगाए जा सकते हैं। बिना आधिकारिक अनुमति के किसी भी निजी वाहन में हूबर, सायरन या स्ट्रोब लाइट लगाना दंडनीय है। यदि किसी दुकान में अनधिकृत मॉडिफिकेशन पाया गया, तो उसका मालिक या प्रोपराइटर व्यक्तिगत रूप से जवाबदार होगा। पुलिस ने साफ कर दिया है कि सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। सडक़ हादसों पर लगाम लगाने और आम जनता की सुरक्षा के लिए पुलिस अब सॉफ्ट टारगेट के बजाय सीधे उन केंद्रों पर हमला बोल रही है जहाँ से इन अवैध उपकरणों की बिक्री होती है।

सदियों पुरानी शिवलिंग चोरी

शहडोल। जिले में खाकी का खौफ इस कदर खत्म हो चुका है कि अब अपराधी घरों और दुकानों को छोड़ सीधे ईश्वर को ही निशाना बना रहे हैं। बुढार थाना क्षेत्र के ग्राम विक्रमपुर में चोरों ने एक ऐसी हिमाकत की है, जिसने न केवल पुलिसिया गश्त की पोल खोल दी है, बल्कि समूचे इलाके में भारी जनाक्रोश भडक़ा दिया है। यहां एक निजी परिसर के मंदिर से चोरों ने सदियों पुरानी और आस्था का केंद्र रही शिवलिंग ही पार कर दी।

पुलिस की सुस्ती ने बढ़ाया अपराधियों का दुस्साहस

यह पहली बार नहीं है जब शहडोल में मंदिर को निशाना बनाया गया हो। अभी कुछ दिन पहले ही कोतवाली क्षेत्र में भगवान के चांदी के जेवर चोरी हुए थे, जहाँ सीसीटीवी फुटेज मिलने के बाद भी पुलिस के हाथ अब तक खाली हैं। पुलिस की इसी लाचारी और पंगु कार्यप्रणाली ने चोरों को इतना पावरफुल बना दिया है कि अब उन्हें न सीसीटीवी का डर है और न ही कानून का।

भय और आक्रोश के साये में ग्रामीण

भगवान के घर से भगवान की ही चोरी होने के बाद क्षेत्र में तनावपूर्ण सन्नाटा है। बुढार पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला तो दर्ज कर लिया है, लेकिन जनता का भरोसा डगमगा चुका है। सवाल यह है कि जब जिले के मंदिरों में भगवान ही सुरक्षित नहीं हैं, तो आम आदमी की सुरक्षा की गारंटी कौन देगा? क्या शहडोल पुलिस केवल एफआईआर दर्ज करने तक सीमित रहेगी या इन पापियों को सलाखों के पीछे भेजकर आस्था की पुनस्र्थापना करेगी?

पुरखों की विरासत पर चोरों का धावा

विक्रमपुर वार्ड क्रमांक 15 निवासी अविशेक दुबे के बाउंड्री परिसर में स्थित पुश्तैनी शिव मंदिर दशकों से ग्रामीणों की आस्था का केंद्र था। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर का गेट खुला क्या रहा, शातिर चोरों ने इसे अपनी अपराध का गलियारा बना लिया। रात के सन्नाटे में जब परिवार सो रहा था, तब बेखौफ चोरों ने मंदिर में प्रवेश किया और भगवान शिव की प्राचीन शिवलिंग उखाड़ ले गए। सुबह जब भक्त पूजा के लिए पहुंचे, तो वहां महादेव नहीं बल्कि सिर्फ खाली गर्भगृह बचा था।

101 स्थानों पर विशाल हिंदू सम्मेलन का शंखनाद

घर-घर पहुंचेगा अक्षत और धर्मध्वज

शहडोल।

सकल हिंदू समाज के बैनर तले जिले में अपनी सांस्कृतिक जड़ों को मजबूत करने और सामाजिक समरसता का नया इतिहास रचने के लिए विशाल हिंदू सम्मेलन का महाअभियान शुरू हो गया है।

15 जनवरी से 30 जनवरी 2026 तक जिले की 28 बस्तियों और 73 मंडलों सहित कुल 101 स्थानों पर हिंदू समाज अपनी शक्ति और एकता का प्रदर्शन करेगा। रविवार को नगर के दुर्गा मंदिर प्रांगण में पूजा-अर्चना के बाद आयोजित पत्रकार वार्ता में इस विराट आयोजन की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की गई।

धर्म ध्वज और अक्षत कलश के साथ रणभेरी तैयार

हिंदू सम्मेलन टोली के सदस्य डॉ. राधेश्याम नापित ने बताया कि यह सम्मेलन केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि समाज में पंच परिवर्तन (सामाजिक सद्भाव, समरसता, स्वदेशी, नागरिक कर्तव्य और कुटुंब प्रबोधन) लाने का एक क्रांतिकारी माध्यम है। कार्यक्रम की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रत्येक आयोजन समिति को सात से अधिक उप-समितियों में विभाजित कर जिम्मेदारी सौंपी गई है। पत्रकार वार्ता के पश्चात सभी खंडों से आए कार्यकर्ताओं को धर्म ध्वज और अक्षत कलश प्रदान किए गए, जिन्हें प्रत्येक आयोजन स्थल पर भूमि पूजन के बाद स्थापित किया जाएगा।

सामूहिक भोज और समरसता की अनूठी मिसाल

इस सम्मेलन की सबसे बड़ी विशेषता इसकी जन-भागीदारी है। आयोजन समिति ने निर्णय लिया है कि प्रत्येक हिंदू घर से एक गिलास चावल और 10 रुपये की राशि सहयोग स्वरूप ली जाएगी। इसी सामग्री से सामूहिक भोज (भंडारा) तैयार होगा, जहां ऊंच-नीच के भेदभाव को मिटाकर पूरा समाज एक साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण करेगा। यह आयोजन सामाजिक समरसता के प्रतीक के रूप में स्थापित होगा।

मातृशक्ति की कलश यात्रा और युवाओं की बाइक रैली

जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक विवेक पांडे ने बताया कि वातावरण को भक्तिमय बनाने के लिए मातृशक्तियों द्वारा भव्य कलश यात्राएं निकाली जाएंगी। इसके साथ ही प्रभात फेरी, भजन संकीर्तन और युवाओं द्वारा विशाल बाइक रैलियों के माध्यम से जिले के कोने-कोने में हिंदू सम्मेलन की गूंज पहुंचाई जाएगी। सम्मेलनों में स्थानीय प्रतिभाओं का सम्मान, महापुरुषों की प्रदर्शनी और नाटकों का मंचन भी होगा, जिसमें साधु-संतों और आध्यात्मिक गुरुओं का पाथेय प्राप्त होगा। इस पत्रकार वार्ता में श्रीमती मोनिका राज, जयश्री कचेर, प्रमिला सिंह सहित शिक्षक लाल जी तिवारी और इंद्रजीत मिश्र प्रमुख रूप से उपस्थित रहे, जिन्होंने इस महाकुंभ को सफल बनाने हेतु अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

ज्वेलरी दुकान में हाथ साफ करने वाला शातिर धराया

शहडोल।

नगर के व्यस्ततम सिनेमा रोड पर स्थित एक ज्वेलरी दुकान में दिनदहाड़े चोरी करने वाले आरोपी को बुढार पुलिस ने चंद घंटों के भीतर दबोचकर सलाखों के पीछे भेज दिया है। आरोपी ने कस्टमर बनकर दुकान में प्रवेश किया था और नजर बचाकर जेवरात लेकर रफूचक्कर हो गया था, लेकिन पुलिस की तत्परता ने उसकी चालाकी को नाकाम कर दिया।

बच्ची के बहाने आया और कर दिया हाथ साफ

घटना 03 जनवरी 2026 की है, जब वार्ड क्रमांक 10 स्थित राकेश ज्वेलर्स के संचालक कमलेश सराफ अपनी दुकान पर मौजूद थे। दोपहर करीब 03 बजे आरोपी तालिब अली दुकान पर पहुंचा और छोटी बच्ची के लिए चांदी की अंगूठी एवं पायल दिखाने का बहाना बनाया। संचालक जब उसे जेवर दिखा रहे थे, तभी मौका पाकर आरोपी ने 5 चांदी की अंगूठियां और 3 जोड़ी पायल चोरी कर ली और अपनी स्कूटी से बाजार की भीड़ का फायदा उठाकर फरार हो गया।

घेराबंदी कर पुलिस ने दबोचा

चोरी की भनक लगते ही संचालक ने तत्काल बुढार थाने में सूचना दी। थाना प्रभारी विनय सिंह गहरवार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बिना वक्त गवाएं इलाके की घेराबंदी शुरू की। मुखबिर तंत्र और त्वरित छानबीन के आधार पर पुलिस ने संदेही तालिब अली को हिरासत में लिया। कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

माल बरामद, आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए सभी आभूषण बरामद कर लिए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 20,000 रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया है। इस सफल और त्वरित कार्रवाई में बुढार पुलिस टीम की भूमिका सराहनीय रही, जिससे व्यापारियों में सुरक्षा का विश्वास जागा है।

मौत के इंजेक्शन बांटते तीन तस्कर दबोचे

शहडोल।

युवाओं की नसों में सफेद जहर घोलने वाले माफियाओं के खिलाफ सोहागपुर पुलिस ने एक बड़ी और निर्णायक कार्यवाही को अंजाम दिया है। पुलिस ने घेराबंदी कर कोटमा तिराहे के पास से तीन शातिर नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है, जो भारी मात्रा में प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शनों की खेप खपाने की फिराक में थे। पुलिस की इस कार्यवाही से नशे के काले कारोबारियों में हडक़ंप मच गया है।

गिरफ्तार आरोपियों की कुंडली

पुलिस की गिरफ्त में आए आरोपियों की पहचान आदित्य उर्फ बेटू तिवारी, उदय नारायण उर्फ गुड्डू शुक्ला और अविनाश उर्फ अभिलाष यादव के रूप में हुई है। तलाशी लेने पर उनके पास से एक बैग बरामद हुआ, जिसमें मौत का सामान भरा हुआ था।

बरामद हुआ प्रतिबंधित इंजेक्शनों का जखीरा

आरोपियों के पास से पुलिस ने नशीली दवाओं का बड़ा जखीरा बरामद किया है, 101 शीशी प्रतिबंधित सिरप 03 नग मोबाइल फोन और तस्करी में प्रयुक्त बैग, आरोपी इन दवाओं के संबंध में कोई भी वैध दस्तावेज या डॉक्टरी पर्चा पेश नहीं कर सके। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट और म.प्र. ड्रग कंट्रोल अधिनियम की गंभीर धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। गिरफ्तारी के बाद उन्हें माननीय न्यायालय में पेश किया गया। इस पूरी कार्यवाही में निरीक्षक भूपेन्द्रमणि पाण्डेय और उनकी टीम की भूमिका रही, जिन्होंने मुस्तैदी दिखाते हुए शहर को नशे की एक बड़ी खेप से बचा लिया।

मुखबिर के जाल में फंसे तस्कर

03 जनवरी 2026 को सोहागपुर पुलिस को सटीक मुखबिर से सूचना मिली थी कि कोटमा तिराहा के पास तीन संदिग्ध व्यक्ति अवैध नशीले इंजेक्शनों का सौदा कर रहे हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी के नेतृत्व में विशेष टीम ने तत्काल मौके पर दबिश दी। पुलिस को देखते ही आरोपियों ने भागने की कोशिश की, लेकिन मुस्तैद जवानों ने घेराबंदी कर उन्हें रंगे हाथ दबोच लिया।

अमरकंटक की रूद्र गंगा रमणीय सौंदर्य और आध्यात्मिक शांति का अद्भुत संगम

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

मध्यप्रदेश की पवित्र तीर्थ नगरी अमरकंटक में स्थित रूद्र गंगा प्राकृतिक सौंदर्य, आध्यात्मिक ऊर्जा और शांत वातावरण का अनुपम केंद्र है। घने जंगलों, पहाड़ियों और निर्मल जलधारा से घिरी रूद्र गंगा श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को सहज ही अपनी ओर आकर्षित करती है। मान्यता है कि रूद्र गंगा का संबंध भगवान शिव की आराधना से जुड़ा हुआ है। यहां प्रवाहित होती जलधारा को अत्यंत पवित्र माना जाता है, जहां स्नान एवं ध्यान करने से मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा की अनुभूति होती है। विशेष रूप से सावन मास, महाशिवरात्रि एवं धार्मिक अवसरों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां दर्शन हेतु पहुंचते हैं। प्राकृतिक दृष्टि से रूद्र गंगा क्षेत्र जैव विविधता से परिपूर्ण है। चारों ओर फैली हरियाली, पक्षियों की मधुर चहचहाहट और जल की कल-कल ध्वनि वातावरण को अत्यंत मनोहारी बनाती है। यह स्थल ध्यान, योग और आत्मचिंतन के लिए भी अत्यंत उपयुक्त माना जाता है। स्थानीय श्रद्धालुओं का कहना है कि रूद्र गंगा में समय बिताने से न केवल आत्मिक शांति मिलती है, बल्कि प्रकृति से जुड़ाव का भी गहरा अनुभव होता है।

प्रशासन एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा इस स्थल के संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे इसकी पवित्रता और प्राकृतिक स्वरूप बना रहे। रूद्र गंगा आज न केवल एक धार्मिक स्थल है, बल्कि अमरकंटक की आध्यात्मिक और प्राकृतिक पहचान का महत्वपूर्ण प्रतीक बन चुकी है, जो हर आगंतुक को शांति, श्रद्धा और सौंदर्य का अनूठा अनुभव प्रदान करती है।

कोतमा में पत्रकार कल्याण परिषद का आंचलिक कार्यक्रम गरिमामय वातावरण में संपन्न

मंत्री दिलीप जायसवाल बोले पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ, सरकार हरसंभव सहयोग को प्रतिबद्ध

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

पत्रकार कल्याण परिषद का आंचलिक कार्यक्रम रविवार को कोतमा में भव्य, अनुशासित एवं गरिमामय वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश शासन के मंत्री दिलीप जायसवाल उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता पत्रकार कल्याण परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष वेदांती त्रिपाठी ने की। कार्यक्रम में शहडोल, उमरिया, सतना, रीवा सहित दूर-दराज के अंचलों से बड़ी संख्या में पत्रकारों की सहभागिता रही। साथ ही जिले के वरिष्ठ पत्रकारों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाया। छात्रों और प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

कार्यक्रम के दौरान शिक्षा, सामाजिक सेवा एवं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्कूली छात्रों को सम्मानित किया गया। इससे विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ा और उन्हें आगे बेहतर करने की प्रेरणा मिली। इसके अलावा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को भी पत्रकार कल्याण परिषद द्वारा सम्मानित किया गया। भागवत कथावाचक उन्नति मिश्रा, नेशनल वॉलीबॉल अंडर-18 प्रतियोगिता में भाग लेकर लौटे खिलाड़ियों सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कई लोगों को सम्मान पत्र प्रदान किए गए।

पत्रकार समाज का दर्पण वेदांती त्रिपाठी

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पत्रकार कल्याण परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष वेदांती त्रिपाठी ने कहा कि "पत्रकार समाज का दर्पण होता है। निष्पक्ष, निर्भीक और जिम्मेदार पत्रकारिता से ही लोकतंत्र मजबूत बनता है। पत्रकार कल्याण परिषद देशभर में पत्रकारों के अधिकार, सुरक्षा और सम्मान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। आज आवश्यकता है कि पत्रकार एकजुट होकर सामाजिक सरोकारों को प्राथमिकता दें।" अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने कहा कि परिषद का उद्देश्य केवल संगठन विस्तार नहीं, बल्कि पत्रकारों की सुरक्षा, उनके परिवारों के कल्याण और युवा पत्रकारों को सही दिशा में मार्गदर्शन देना है। ऐसे आंचलिक कार्यक्रम संगठन को मजबूती प्रदान करते हैं।

अतिथियों का सम्मान, संगठन को सशक्त बनाने का संकल्प

कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों का सम्मान किया गया तथा सफल आयोजन के लिए आयोजक मंडल को बधाई दी गई। समापन अवसर पर सभी उपस्थित पत्रकारों ने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने एवं निष्पक्ष, निर्भीक पत्रकारिता के संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन किया।

पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ मंत्री दिलीप जायसवाल

मुख्य अतिथि मंत्री दिलीप जायसवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि "पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हैं। शासन और आमजन के बीच सेतु का कार्य पत्रकार करते हैं। समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। सरकार पत्रकारों के कल्याण, सुरक्षा और सुविधाओं को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है और उनके हित में हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।"

नगर परिषद अध्यक्ष ने किया आयोजन की सराहना

नगर परिषद अध्यक्ष सुनील चौरसिया ने कहा कि कोतमा में पत्रकार कल्याण परिषद का आंचलिक कार्यक्रम आयोजित होना क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। पत्रकार स्थानीय समस्याओं को प्रमुखता से उठाकर जनहित में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नगर परिषद सदैव पत्रकारों के सहयोग से नगर के विकास कार्यों को गति देने के लिए तत्पर रहेगी।

खुले वाहनों में ढुल रही राखड़, बढ़ रहा प्रदूषण

सड़कों पर बढ़ी दुर्घटना, गंभीर नहीं जिम्मेदार

वायु प्रदूषण बढ़ता जा रहा है, अमलाई, धनपुरी एवं बुढ़ार क्षेत्र की सडक्रो पर नियमों की अनदेखी की वजह से बेखौफ नियमों को दरकिनार कर बिना ढंके राख का परिवहन किया जा रहा है, सडक्रों से गुजरते हैं, जिससे क्षेत्रवासियों को जीना मुहाल हो गया है, राखड़ परिवहन करने वाले हाईवा जगह-जगह राख गिरा रहे है, जो थोड़ी सी हवा चलने पर राख उडकर घरों में घुस रही है, घरो व दरवाजे के सामने में रहना दुश्वार हो गया है।

शहडोल। संभाग के अनूपपुर जिले के अमरकंटक थर्मल पावर प्लांट से निकलने वाले राखड़ ट्रकों में ओव्हरलोडिंग परिवहन का सिलसिला थमने का नाम नही ले रहा। बीते कई महीनों से सारे नियमो को ताक में रखकर राखड़ वाहनों में ओव्हरलोडिंग की जा रही है, जिसकी पूरी जानकारी होने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी हांथ में हांथ धरे बैठे हुए है। मजे की बात तो यह है कि थर्मल पॉवर प्लांट से खुले वाहनों में राखड़ दी जा रही है, जिससे सडक्रों पर प्रदूषण फैल रहा है, साथ ही उक्त वाहन के चालको द्वारा तेजगति से वाहन दौड़ाया जाता है, जिससे सडक्र पर चलने वाले लोगों का जान का खतरा बना रहा है, इस मामले में चचाई एवं धनपुरी पुलिस भी चुप्पी साधे हुए हैं। पुलिस कप्तान ने राखड़ के ओव्हरलोड वाहनों में कार्यवाही करने की बात भी कही थी, लेकिन अब तक कोई कार्यवाही पुलिस के द्वारा नही की गई है।

हर माह सबका हिस्सा

विभिन्न सीमेंट फैक्ट्रियों में राखड़ परिवहन करने वाले ट्रक मालिको ने प्रबंधन व प्रशासन पर आरोप लगाते हुए मौखिक रूप से बताया कि हम लोग खुद चाहते है कि हमारे वाहनों में अंडरलोड राखड़ परिवहन कराया जाए, लेकिन स्थानीय प्रबंधन व जिम्मेदारों की मिलीभगत से वाहनों में क्षमता से अधिक राखड़ लोड दिया जाता है। बताया गया है कि ओव्हरलोड वाहन चलाने के कारण हमें तो भारी नुकसान है, लेकिन कुछ जिम्मेदारों के निहित स्वार्थ के लिए यह ओव्हरलोडिंग प्रचलन बरकरार है। बताया जाता है कि ओव्हरलोड वाहन चलाने के नाम पर हर महीने सभी का हिस्सा भी भेजा जाता है, जिससे इसमें कोई ध्यान नही देता।

यह कहते हैं कायदे

राखड़ परिवहन करने वाले 10 चका के वाहन में 25 टन वाहन सहित बजन होना चाहिए लेकिन उनमें 35 से 38 टन,12 चका के वाहन में 31 टन के जगह 38 से 40 टन,14 चका के वाहनों में 37 टन की जगह 50 टन,22 चका के वाहनों में निर्धारित क्षमता 49 टन की जगह 75 से 80 टन को लोडिंग की जा रही है जिससे वाहनों को भारी क्षति पहुचती है। हलाकि कि इस सम्बंध में कोई प्रमाणित पुष्टि उपलब्ध नही कराई गई।

दोनों की मिलीभगत

मौखिक जानकारी के मुताबिक सीमेंट फैक्ट्रियों में भेजे जाने वाले राखड़ का भाड़ा सीमेंट फैक्ट्रियां कम भुगतान करती है। बताया गया है कि अंडरलोड चलने की स्थिति में फैक्ट्री को नियमानुसार भाड़ा भुगतान करना पड़ जायेगा, इसलिए सांठ-गांठ कर दबाव में ओव्हरलोड को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिसमे नुकसान छोटे ट्रक मालिको को होता है, लेकिन इसका फायदा सीधे स्थानीय प्रबंधन और जिम्मेदार अधिकारियों को होता है। बताया गया है कि सीमेंट फैक्ट्री अंडरलोड के नाम पर छलावा करती है, जो ट्रक मालिको से अंडरलोड राखड़ लेने की बात करती है, वही प्रबंधन द्वारा ओव्हरलोड कराया जाता है, जिसमे दोनों की मिलीभगत होती हैं।

बढ़ रही दुर्घटना

एनएच-43 में सर्वाधिक दुर्घटना का कारण ओव्हरलोड वाहन चलना होता है, क्योंकि ट्रिप बढ़ाने के चक्कर मे ट्रक चालक वाहन की रफ्तार तेजी रखता है जो असमय होने वाले दुर्घटना के कारण बनते है। क्षमता से अधिक भरे वाहन चालक के नियंत्रण से बाहर हो जाते है जो सडक्र दुर्घटनाओं का कारण बनते है। ओव्हरलोड वाहन के प्रचलन से सडक्रे भी असमय टूट जाती है। ट्रक मालिको का कहना है कि ओव्हरलोड प्रथा मात्र पुलिस यातायात विभाग ही नियंत्रित कर सकती है, क्योंकि जब पॉवर प्लांट से ओव्हरलोडिंग बंद हो जाएगी तो, सभी वाहनों में निर्धारित मापदंड से वाहन लोड होंगे। लेकिन ओव्हरलोड वाहन प्रचलन में प्रभावी कार्यवाही की दरकार है। बताया गया हैं कि प्रबंधन मूक सहमति देकर मिलीभगत के साथ खुले हाईवा जैसे वाहनों को बढ़ावा दे रहा है, जिसमे नियंत्रण किया जाना आवश्यक है।

प्रशासनिक नरसंहार पर भड़की कांग्रेस

शहडोल में सांसद आवास का घेराव

शहडोल। इंदौर के भागीरथपुरा में नगर निगम की लापरवाही ने जिस तरह मासूमों और बेगुनाह नागरिकों की बलि ली है, उसकी गूंज अब पूरे प्रदेश में सुनाई दे रही है। दूषित पानी नहीं, बल्कि पाइपलाइनों में दौड़ते प्रशासनिक जहर से हुई दर्जनों मौतों के खिलाफ रविवार को शहडोल की सडक़ों पर कांग्रेस ने भीषण हल्ला बोल किया। हाथ में आक्रोश का झंडा और जुबां पर न्याय की मांग लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सांसद आवास का घेराव कर सिस्टम को गहरी नींद से जगाने के लिए जोरदार 'घंटा नाद' किया।

सांसद आवास पर संग्राम, पुलिस से तीखी झड़प

रविवार दोपहर जब कांग्रेस जिला अध्यक्ष अजय अवस्थी के नेतृत्व में जनसैलाब सांसद आवास की ओर बढ़ा, तो प्रशासन के हाथ-पांव फूल गए। भारी पुलिस बल ने बैरिकेड्स लगाकर प्रदर्शनकारियों को रोकने की कोशिश की, लेकिन आक्रोशित कार्यकर्ताओं के सामने पुलिसिया घेरा बौना नजर आया। आवास के बाहर घंटों तक चले इस प्रदर्शन में निकम्मी सरकार होश में आओ और कातिल प्रशासन को सजा दो जैसे नारों से आसमान गूंज उठा।

नगर निगम की लापरवाही

प्रदर्शनकारियों ने सीधे तौर पर प्रदेश सरकार और नगर निगम की कार्यप्रणाली को कटघरे में खड़ा किया। कांग्रेस नेताओं ने दहाड़ते हुए कहा कि भागीरथपुरा की घटना महज एक दुर्घटना नहीं, बल्कि प्रशासनिक नरसंहार है। 15 लोगों की मौत और सैकड़ों मासूमों का अस्पतालों में जिंदगी और मौत के बीच जूझना यह साबित करता है कि जनता को बुनियादी सुविधाएं देने के बजाय सरकार कुंभकर्णी नींद सो रही है।

सत्ता के गलियारों तक विरोध की गूंज

कांग्रेस ने तीखा सवाल दागा कि आखिर कब तक मौतों का सिलसिला जारी रहेगा? इससे पहले कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का पुतला दहन कर उनके इस्तीफे की मांग की गई थी, लेकिन संवेदनहीन सरकार के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही। इंदौर महापौर, क्षेत्रीय पार्षद और स्थानीय शासन मंत्री की जवाबदेही तय कर तत्काल बर्खास्तगी। दोषी अधिकारियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज हो। मृतकों के परिजनों को भारी मुआवजा और घायलों का उच्च स्तरीय मुफ्त इलाज। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई और पीड़ितों को न्याय नहीं मिला, तो यह आंदोलन केवल घेराव तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे प्रदेश में उग्र रूप धारण करेगा। इस दौरान भारी संख्या में कांग्रेस नेता और आक्रोशित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

निराश्रितों को नगर पालिका टीम द्वारा पहुंचाया जा रहा रैन बसेरा

शहडोल। कडक़ड़ाती ठंड में शहर के सार्वजनिक स्थलों रेलवे स्टेशन, बस स्टैण्ड, प्रमुख चौराहों में खुले आसमान के नीचे रात गुजारने वाले निराश्रित लोगों को नगरपालिका शहडोल एवं कोतवाली पुलिस द्वारा जयस्तम्भ, स्थित रैन बसेरा में पहुंचाया जा रहा है। 17 नवम्बर से शुरू किए गए इस अभियान के माध्यम से अब तक 54 निराश्रित व्यक्तियों को रैन बसेरा में पहुंचाया गया है। यह अभियान मुख्य नगर पालिका अधिकारी अक्षत बुंदेला तथा कोतवाली थाना प्रभारी राघवेन्द्र तिवारी, की टीम के प्रयासों से संचालित है। शहरी आजीविका मिशन के सिटी मैनेजर ने बताया कि रैन बसेरा में पहुंचाकर उनके रहने की समुचित व्यवस्था की जा रही है। जिससे

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा द्वारा किया गया कंबल का वितरण

शहडोल। जिले में पड़ रही कडक़ड़ाती ठंड से बचाव के लिए विभिन्न समाज सेवी संस्थाएं सहयोग के लिए आगे आ रही हैं। संस्थाओं द्वारा गरीब एवं निराश्रित लोगों को कबंल एवं गर्म पकड़ों का वितरण किया जाता है। इसी कड़ी में बास्केटबाल के राष्ट्रीय कोच केके श्रीवास्तव के नेतृत्व में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की महिला बिंग के द्वारा जिला चिकित्सालय शहडोल मे प्रसूती कक्ष में भर्ती प्रसूता महिलाओं को कंबलों का वितरण कर मानव सेवा का सराहनीय कार्य किया गया।

मंदिर में लाउडस्पीकर बजाने पर विवाद
घर में घुसकर मारपीट और धमकी

शहडोल। जिले के सिंहपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम जोधपुर में धार्मिक कट्टरता और आपसी वैमनस्य का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक विशेष समुदाय द्वारा मंदिर में होने वाली आरती और भजन-कीर्तन को रोकने की कोशिश की गई, जिससे क्षेत्र में तनाव की स्थिति निर्मित हो गई है। पीड़ित शिवम रजक द्वारा पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार, उनके घर में स्थित शिव मंदिर में सुबह और शाम होने वाली आरती के दौरान लाउडस्पीकर का उपयोग किया जाता है। आरोप है कि विशेष समुदाय के कुछ लोग लंबे समय से इस धार्मिक कार्य में बाधा डाल रहे हैं। यह विवाद उस समय गहरा गया जब शफीक खान और उसके साथियों ने न केवल गाली-गलौज की, बल्कि पीड़ित के घर में घुसकर मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी।

शिकायत में बताया गया कि हमलावरों ने पीड़ित के छोटे भाई कपिल रजक के साथ भी अभद्रता की। पीड़ित का कहना है कि वे दूसरों की धार्मिक गतिविधियों में हस्तक्षेप नहीं करते, फिर उनकी आस्था पर यह प्रहार क्यों? फिलहाल, पुलिस ने आवेदन लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। ग्रामीणों ने दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है ताकि गांव का सांप्रदायिक सौहार्द न बिगड़े।

युवक की मौत पर तांडव, डॉक्टर से बदसलूकी और तोडफ़ोड़

शहडोल। मानवता को शर्मसार और कानून को ठेंगा दिखाने वाली एक सनसनीखेज वारदात ब्यौहारी सिविल अस्पताल से सामने आई है। यहां एक युवक की मौत के बाद अस्पताल परिसर को जंग के मैदान में तब्दील कर दिया गया। आक्रोश की आड़ में परिजनों और उनके नशेड़ी दोस्तों ने न केवल अस्पताल की संपत्ति को तहस-नहस किया, बल्कि जीवन रक्षक कहे जाने वाले डॉक्टरों पर भी हमला बोल दिया। इस 'गुंडागर्दी' से अस्पताल में भर्ती अन्य मरीज और उनका स्टाफ दहशत के साए में जीने को मजबूर हो गया।

मौत से पहले टूटा सब्र का बांध

जानकारी के मुताबिक ब्यौहारी निवासी नीरज कोरी उम्र 35 वर्ष को गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। ड्यूटी पर तैनात डॉ. नागेंद्र कुशवाहा ने जब गहन परीक्षण किया, तो पाया कि अस्पताल की दहलीज पार करने से पहले ही नीरज की सांसें थम चुकी थीं। चिकित्सक ने जैसे ही युवक को ब्रॉट डेड (मृत अवस्था में लाया गया) घोषित किया, साथ आए लोगों का जंगली रूप सामने आ गया।

कांच के गेट तोड़े, डॉक्टर का गला पकड़ा

प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो हंगामे की शुरुआत गाली-गलौज से हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। आक्रोशित भीड़ ने अस्पताल के मुख्य प्रवेश द्वार के कांच फोड़ दिए और केबिन में घुसकर डॉ. कुशवाहा के साथ धक्का-मुक्की और अभद्रता की। आरोप है कि हंगामा करने वाले कई युवक नशे के प्रभाव में थे, जिन्होंने न केवल शासकीय कार्य में बाधा डाली, बल्कि चिकित्सा जगत की गरिमा को भी तार-तार कर दिया। अस्पताल में हुई इस तोडफ़ोड़ से इलाज करा रहे अन्य गंभीर मरीजों की जान पर भी बन आई थी।

शव लेकर भागे बलवाई

हंगामे की सूचना मिलते ही जब तक डायल 112 मौके पर पहुंचती, आरोपी कानून की गिरफ्त से बचने के लिए शव को लेकर रफूचक्कर हो गए। हालांकि डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ ने हिम्मत दिखाते हुए थाने पहुंचकर इस अराजकता के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पुलिस ने डॉ. नागेंद्र कुशवाहा की शिकायत पर संकर्षण कोरी, कैलाश कोरी, छोटू नामदेव, पुष्पा कोरी और मृतक के पिता सहित 7-8 अन्य अज्ञात उपद्रवियों के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा, मारपीट, गाली-गलौज और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की संगीन धाराओं में मामला दर्ज किया है।

स्वर्गीय सुनील कोरी स्मृति जिला स्तरीय ओपन वॉलीबॉल टूर्नामेंट का समापन

महिला वर्ग में बिजुरी ने मारी बाज़ी, पुरुष फाइनल में अनूपपुर पुलिस का दबदबा

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना। जमुना कालरी में आयोजित स्वर्गीय सुनील कोरी स्मृति जिला स्तरीय ओपन वॉलीबॉल टूर्नामेंट 2026 का फाइनल मुकाबला रोमांच, जोश और खेल भावना के साथ संपन्न हुआ। टूर्नामेंट के निर्णायक मुकाबलों को देखने बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे। महिला वर्ग का फाइनल मुकाबला बिजुरी और अंबिकापुर की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। पुरुष वर्ग का फाइनल मुकाबला कवर्धा (छत्तीसगढ़) की टीम और अनूपपुर पुलिस (मध्यप्रदेश) के बीच खेला गया। मुकाबले की शुरुआत से ही अनूपपुर पुलिस की टीम का दबदबा देखने को मिला। सधे हुए खेल, मजबूत सर्विस और बेहतरीन समन्वय के दम पर अनूपपुर पुलिस ने कवर्धा की टीम को लगातार तीन सेटों में 0/3 से पराजित कर फाइनल मुकाबला अपने नाम किया और खिताब पर कब्जा जमाया। यह जिला स्तरीय खेल आयोजन मेन दुर्गा पंडाल, वार्ड क्रमांक 04, जमुना कालरी में आयोजित किया गया, जहां पूरे आयोजन के दौरान उत्सव जैसा माहौल बना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रभाकर राम त्रिपाठी (महाप्रबंधक जमुना/कोतमा क्षेत्र) तथा विशिष्ट अतिथि राम अवध सिंह (अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद पसान) रहे। अपने संबोधन में प्रभाकर राम त्रिपाठी ने कहा कि खेल युवाओं के सर्वांगीण विकास का मजबूत

माध्यम हैं और ऐसे आयोजन अनुशासन, टीम भावना व सकारात्मक सोच को बढ़ावा देते हैं।

उन्होंने खिलाड़ियों के खेल भावना की सराहना करते हुए भविष्य में भी इस तरह के आयोजनों को समर्थन देने की बात कही। आयोजकों द्वारा घोषित पुरस्कारों के अनुसार विजेता टीम को 15,000 की प्रथम पुरस्कार राशि राम अवध सिंह की ओर से प्रदान की गई, जबकि उपविजेता टीम को आयोजन समिति की ओर से 10,000 का द्वितीय पुरस्कार दिया गया। इसके अतिरिक्त फाइनल मुकाबले में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को मैन ऑफ द मैच पुरस्कार से सम्मानित किया गया। फाइनल मुकाबले का संचालन निर्णायक मनोज तिवारी, आलोक एवं बृजमोहन तिवारी द्वारा निष्पक्ष रूप से किया गया। वहीं पूरे फाइनल मैच की आकर्षक और जोशीली कंमेंट्री राजकमल द्वारा की गई, जिसने दर्शकों में अतिरिक्त उत्साह भर दिया। व्यवस्थाओं की दृष्टि से टेंट, लाइट, बाल रोकने के लिए जाली एवं साउंड सिस्टम की संपूर्ण व्यवस्था राम अवध सिंह द्वारा कराई गई थी। आयोजन की जिम्मेदारी जमुना वॉलीबॉल कमेटी, जमुना कालरी ने सफलतापूर्वक निभाई। स्थानीय पार्षद विकास जायसवाल सहित कमेटी के सदस्यों ने सभी अतिथियों, खिलाड़ियों और दर्शकों के प्रति आभार व्यक्त किया। समापन अवसर पर मंच पर महाप्रबंधक प्रभाकर राम त्रिपाठी के साथ अजय यादव, उदयराज चाचू, लाल बहादुर जायसवाल, संजय सिंह, उमेश मिश्रा, सचिन जायसवाल, सुखविंदर सिंह, नरेश चंद शर्मा एवं सूर्य प्रकाश लोधी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

बांधवगढ़ ने खोया अपना जांबाज प्रहरी
ड्यूटी के दौरान वनरक्षक अनिल यादव की सडक़ हादसे में मौत

उमरिया। वनों और वन्य प्राणियों की सुरक्षा में अपनी जान की बाजी लगाने वाले एक कर्मठ प्रहरी का सफर दर्दनाक सडक़ हादसे के साथ थम गया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के खितौली परिक्षेत्र में पदस्थ वनरक्षक अनिल यादव की परासी बैरियर के पास हुई एक सडक़ दुर्घटना में असामयिक मृत्यु हो गई। इस हृदयविदारक घटना से पूरे वन महकमे में शोक की लहर दौड़ गई है। जानकारी के अनुसार, अनिल यादव गाढ़ावाह बीट में तैनात थे और कर्तव्य पथ पर मुस्तैदी से गश्त कर रहे थे। इसी दौरान उनकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सडक़ किनारे एक पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि अस्पताल ले जाते समय उन्होंने दम तोड़ दिया। खितौली परिक्षेत्र अधिकारी स्वस्ति श्री जैन ने उन्हें एक अत्यंत सजग और समर्पित कर्मचारी बताया, जो वन्यजीवों के संरक्षण के लिए सदैव तत्पर रहते थे।

जबलपुर निवासी अनिल यादव के पीछे उनकी पत्नी और दो साल की मासूम बेटी है, जिनके सिर से पिता का साया हमेशा के लिए उठ गया। टाइगर रिजर्व के अधिकारियों ने इस अपूरणीय क्षति पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की है। पुलिस फिलहाल हादसे की गहन जांच कर रही है, लेकिन बांधवगढ़ ने अपनी सुरक्षा दीवार का एक मजबूत हिस्सा हमेशा के लिए खो दिया है।

क्षेत्र में शीतलहर के साथ ठंड का प्रकोप जारी

हरिभूमि न्यूज कोतमा। कोतमा नगर सहित क्षेत्र में शीतलहर चलने के साथ ठंड का प्रकोप जारी है पिछले एक सप्ताह से तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है अधिकतम तापमान 10/20 सेल्सियस के बीच रहता है। रविवार को पूरा नगर कोहरे की आगोश मे डूबा नजर आ रहा है। सुबह 11 बजे तक आसमान मे बादलों की धुंध छाया रहा। सुबह 11 बजे के बाद आसमान मे सूर्य देव नजर आये और धीरे धीरे कोहरा छटा और धूप निकलते ही लोगों को ठंड से कुछ राहत मिली और लोग धूप मे सेंकते नजर आये। जिसके कारण दिन के समय भी ठंडी का एहसास होता रहा। गलन भरी ठंड के कारण आम जनजीवन काफी प्रभावित नजर आया। सुबह से लेकर दिन भर बीच-बीच में शीतलहर चलने के कारण ठंडी हवाएं लोगों को कप-कपाती रही। शाम होते ही गलन भरी ठंड बढ़ जाती है लोगों को अलाव का सहारा भी लेना पड़ रहा है। नगर पालिका के द्वारा जगह-जगह अलाव की लकडियां भिजवाते हुए अलाव की व्यवस्था करवाई गई है। शीत लहर चलने एवं गलन भरी ठंड का दौर अभी जारी रहेगा। ठंड से सबसे अधिक परेशानी बच्चों एवं बुजुर्गों को आ सकती है जिसको देखते हुए चिकित्सकों ने बचाव करने की सलाह दी है।

कलश यात्रा के सांथ प्रारंभ हुई 10 दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर के ठाकुर बाबा धाम के पास मैदान मे 10 दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा की शुरुआत शनिवार को कलश यात्रा से प्रारंभ की गई। कलश यात्रा की शुरुआत ठाकुर बाबा धाम के पास कथा स्थल से प्रारंभ हुई। रथ को सजाते हुए सैकड़ो की संख्या में महिलाएं पुरुष व श्रद्धालु जन शामिल होकर नगर के विभिन्न मार्गों का भ्रमण करते हुए वापस कथा स्थल पहुंचे। कलश यात्रा में महिलाएं सिर पर कलश धारण कर आगे आगे चल रही थी वहीं पुरुष एवं श्रद्धालु भक्तिभाव से शामिल हुए। जगह-जगह श्रद्धालुओं का पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया जबकि भगवान की आरती उतारते हुए जयकारे लगाए। यात्रा के दौरान भक्तजन भक्ति के गीतों में नाचते, झूमते जा रहे थे। जिससे पूरी यात्रा भक्तिमय रही। कथावाचक अनुरागाचार्य जी भी रथ में सवार होकर उपस्थित रहे। भक्तों को भागवत के बारे में जानकारी प्रदान करते रहे। कलश यात्रा के साथ

दस दिवसीय भागवत कथा की अमृत बर्षी का आनंद श्रद्धालु भक्ति भाव मे विभोर होकर ले रहे हैं।

संगठन को मजबूत बनाने भाजपा ने बनायी रणनीति
भाजपा मंडल पाली में शक्ति केन्द्र प्रभारियो की बैठक सम्पन्न

रसिंहपुर पाली। संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में आलाकमान व्दारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में भाजपा पाली मंडल की बैठक मंडल अध्यक्ष पाली राधा तिवारी की अध्यक्षता और प्रभारी अमृत लाल जयसवाल के नेतृत्व में संपंन हुईं हैं। बैठक में पाली मंडल के शक्ति केन्द्र प्रभारीयों ने भाग लिया। भाजपा संगठन को सुदृढ़ बनाने और जन जन तक भाजपा की रीति नीति सरकार की उपलब्धियों से अवगत कराने के लिए रणनीति तैयार की गयी है। आज की बैठक में मंडल महामंत्री विमल अग्रवाल, लोकनाथ सिंह,देवी सिंह पूर्व नगर पालिका परिषद अध्यक्ष प्रकाश पालीवाल, वरिष्ठ भाजपा नेता व पूर्व कोषाध्यक्ष सरजू प्रसाद अग्रवाल, पूर्व नगर पालिका उपाधयक्ष सुदामा प्रसाद विश्वकर्मा, वरिष्ठ भाजपा नेता व पूर्व पार्षद बहादुर सिंह उर्फ कालिका सिंह पूर्व जिला महामंत्री अर्जुन सिंह सैयाम नव नियुक्त जिला उपाध्यक्ष श्रीमती बेला सिंह, सह कोषाध्यक्ष प्रेमलता बर्मन, केसरी नाथ अग्रवाल,ओंकार प्रसाद चतुर्वेदी, भरत प्रजापति, श्री मती सविता सिंह , मंडल उपाध्यक्ष कामता विश्वकर्मा, भीमसेन सिंह सुरेश विश्वकर्मा अनुपम वर्मा, प्रेम गुप्ता राजेश यादव, राकेश पाण्डेय, कौशल यादव, रामदयाल, किशन कोरी, ममता बर्मन, शीतल सिंह, कुलदीप बर्मन, संजय तिवारी, लाल जी के साथ अन्य भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

बेरोजगारी व मूलभूत सुविधाओं को लेकर आज सोडा फैक्ट्री का घेराव

बेरोजगारी, पर्यावरण प्रदूषण और मजदूरों को मूलभूत सुविधाएं नहीं मिलने को लेकर 5 जनवरी को ओरिएंट पेपर मिल्स की कास्टिक सोडा यूनिट (सोडा फैक्ट्री) के कार्यालय का घेराव किया जाएगा।

अमलाई।

यह घोषणा नगर परिषद के उपाध्यक्ष, रासायनिक संयंत्र संघ पीएस-4 भारतीय मजदूर संघ सोडा फैक्ट्री कास्टिक यूनिट के अध्यक्ष एवं व्हीकल संगठन के संरक्षक डॉ. राज तिवारी ने की है।डॉ. तिवारी ने बताया कि पूर्व में ओरिएंट पेपर मिल्स कास्टिक सोडा यूनिट के प्रबंधन को कई बिंदुओं पर ज्ञापन सौंपा गया था, जिसमें प्रभावित क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने, स्थानीय युवाओं को रोजगार देने, मजदूरों की सुरक्षा तथा पर्यावरण संरक्षण जैसे मुद्दे शामिल थे। लेकिन प्रबंधन द्वारा अब तक किसी भी मांग पर ठोस कदम नहीं उठाया गया, जिससे क्षेत्र के जनजीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।उन्होंने आरोप लगाया कि सोडा यूनिट से निकलने वाला दूषित पानी सोन नदी में मिल रहा है, जिसे तत्काल बंद किया जाना चाहिए। वर्षों से संचालित फैक्ट्री में प्रभावित ग्रामवासियों को योग्यता के अनुसार रोजगार नहीं दिया गया। इसके अलावा, मनीष तिवारी की मृत्यु के बाद उनके परिवार को किसी भी प्रकार की आर्थिक सहायता नहीं दी गई, जिससे परिवार के सामने भरण-पोषण का संकट खड़ा हो गया है।डॉ. तिवारी ने कहा कि प्रभावित वार्ड क्रमांक 1, 2 और 3 की समस्याओं का आज तक समाधान नहीं हुआ है। कार्य के दौरान मजदुरों को सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराए जाते हैं। कास्टिक सोडा यूनिट के उपकरण अत्यंत पुराने और खराब अवस्था में हैं, जिनमें अब तक कोई सुधार नहीं किया गया। फैक्ट्री अस्पताल में भी स्वास्थ्य सुविधाओं का घोर अभाव है।उन्होंने यह भी बताया कि पिछले शनिवार को काम के दौरान दो मजदूर दुर्घटना का शिकार हुए, जिसमें एक मजदूर घायल हो गया, जबकि दूसरे की आंख में केमिकल चले जाने से उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। इसके बावजूद कास्टिक सोडा यूनिट के मजदूरों को न तो ओरिएंट पेपर मिल्स के बराबर बोनस, छुट्टियां मिलती हैं और न ही डबल ओटी जैसी सुविधाओं का सही तरीके से पालन हो रहा है।डॉ. राज तिवारी ने कहा कि प्रबंधन की उदासीनता के चलते क्षेत्र में भारी आक्रोश व्याप्त है। पूर्व में चेतावनी दी गई थी कि यदि मांगों पर अमल नहीं किया गया तो आंदोलन किया जाएगा। इसी क्रम में 5 जनवरी को सोडा फैक्ट्री कार्यालय का घेराव किया जाएगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रबंधन की होगी।04/01/2026, 5:09pm - राजकुमार ओ पि एम शहडोलः अमलाई में रेलवे ओवरब्रिज निर्माण बिना बैरिकेटिंग बना जानलेवा, बिना संकेतक के डायवर्टेड सड़क पर बढ़ा हादसों का खतराअमलाई। स्टेट हाइवे पर अमलाई में निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज बिना बैरिकेटिंग के किया जा रहा है जो मुसीबत का कारण बनता जा रहा है। ओवरब्रिज निर्माण के चलते सड़क को डायवर्ट किया गया है, लेकिन निर्माण एजेंसी द्वारा मौके पर कोई सावधान पट्टिका नही लगाई गई है ऐसे में राहगीरों और वाहन चालकों को पहले से यह जानकारी नहीं मिल पा रही कि आगे निर्माण कार्य चल रहा है या सड़क बदली गई है।स्थिति रात के समय और भी भयावह हो जाती है। अंधेरे और घने कोहरे के कारण सड़क साफ दिखाई नहीं देती, वहीं निर्माण स्थल के पास बने गहरे गड्ढे और अधूरी सड़क दुर्घटनाओं को न्योता दे रहे हैं। बीते दो महीनों में इसी लापरवाही के चलते दो दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। कोहरे के कारण सामने का रास्ता नजर न आने से फलों से लदा एक पिकअप वाहन मिट्टी के ढेर पर चढ़ने से पलट गया, वहीं रात के अंधेरे में एक बाइक सवार सड़क किनारे बने गहरे गड्ढे में गिरकर घायल हो गया। क्योंकि बैरिकेटिंग न होने से वाहन चालकों को दिखाई ने देता हैस्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण एजेंसी और संबंधित विभागों की यह घोर लापरवाही है। नियमानुसार निर्माण स्थल पर चेतावनी बोर्ड, रिफ्लेक्टर, बैरिकेडिंग और पर्याप्त लाइटिंग होना अनिवार्य है, लेकिन यहां इनका पूरी तरह अभाव है। इससे कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। इसी रास्ते से यात्री बसों का आना जाना रहता है।क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन और लोक निर्माण विभाग से मांग की है कि तत्काल निर्माण स्थल पर चेतावनी संकेतक, डायवर्जन बोर्ड, बैरिकेड और रोशनी की व्यवस्था कराई जाए, ताकि आने-जाने वाले लोगों की जान जोखिम में न पड़े।

खबर संक्षेप

नये साल में पर्यटन और देवी स्थलों पर उमड़ी भीड़

उमरियापान। नये साल पर उमरियापान क्षेत्र में स्थित प्राकृतिक एवं देवी-देवताओं के धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। नए साल के स्वागत और धार्मिक आस्था के चलते लोग सुबह से ही परिवार, मित्रों और रिश्तेदारों के साथ दर्शन के लिए पहुंचे। उमरियापान के बड़ी माई मन्दिर, भरभरा आश्रम, रामकुड़ी आश्रम, करौंदी स्थित देश के केंद्र बिंदु,पाली कचनारी स्थित वीरासन देवी मंदिर, दशरमन के महादेवी मंदिर सहित अन्य देवी स्थलों पर दिनभर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। देश के केंद्र बिंदु और मंदिरों में पहुंचे लोगों ने भ्रमण के बाद परिसर में बने स्मारक और मंदिरों में फोटो और वीडियो बनाए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा कर एक-दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। वहीं प्राकृतिक स्थलों पर भी लोगों ने वनभोज का आयोजन कर नए साल का उत्सव मनाया।नववर्ष की पूर्व संध्या से लेकर देर रात तक और नववर्ष के दिन भी श्रद्धालु दर्शन एवं उत्सव में जुटे रहे। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए पुलिस भी मुस्तैद रही।

बस स्टैंड में सुविधाओं नही होने से यात्री परेशान

सिलौंडी। सिलौंडी बस स्टैंड में ना बस खड़े की जगह हैं, ना प्रसाधन की सुविधा और ना ही यात्रियों को शुद्ध पानी मिल पा रहा है। सिलौंडी में लगभग रोज 25 से 30 बसों का आवागमन होने के बाद भी यात्रियों को मूल भूत सुविधाओं नही मिलने के कारण लोगों ने सिलौंडी बस स्टैंड को नेगाई शिप्ट करने की मांग किया है। ग्रामीणों ने बताया आजादी के 78 वर्षो के बाद भी सिलौंडी विकास की दौड़ में पीछे हो रहा है। सिलौंडी महाविद्यालय में रोज ही कछार गांव बड़ा, दशरमन सहित अनेक गांव के छात्र छात्राओं का पढ़ाई करने आने पड़ता है मगर सिलौंडी बस स्टैंड में प्रसाधन नही होने से बहुत दिक्कत होती है। नेगाई में सरकारी बस स्टैंड बनाने से छात्र छात्राओं को 2 किलोमीटर पैदल भी नही जाना पड़ेगा साथ ही सरकारी भूमि में ही सरकारी दुकानें बनने से क्षेत्र के युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। नेगाई में शासन की लगभग 250 एकड़ भूमि पड़ी है । नेगाई में बस जाने से सरकारी भूमि में अनेक निर्माण कार्य भी शुरू होगे उसका सदुपयोग भी होगा।

निगम अमने ने गंदगी फैलाने पर 3 हजार रुपये का स्पॉट फाइन

कटनी। नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में निरीक्षण के दौरान सफाई नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों, दुकानदारों के विरुद्ध 3 हजार रूपये की स्पॉट फाइन की कार्यवाही की गई। स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि निरीक्षण के दौरान मिशन चैक, मीट मार्केट एवं सिटी एरिया सहित जोन क्रमांक 4 कार्यालय कलेक्ट्रेट के सामनें सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फैलाने, गंदगी करने तथा निर्धारित स्वच्छता मानकों का पालन नहीं करने के मामलों में कुल 3 हजार रुपये का स्पॉट फाइन आरोपित किया गया। संबंधित व्यक्तियों को भविष्य में स्वच्छता नियमों का कड़ाई से पालन करने की समझाइश भी दी गई। नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि स्वच्छता व्यवस्था से कोई भी समझौता नहीं किया जाएगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार सख्त कार्यवाही जारी रहेगी। नागरिकों से अपील की गई है कि वे शहर को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करें और निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करें।

संगठन को मजबूत बनाने भाजपा ने बनायी रणनीति भाजपा मंडल पाली में शक्ति केन्द्र प्रभारियों की बैठक सम्पन्न

बिरसिंहपुर पाली

संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में आलाकमान व्दारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में भाजपा पाली मंडल की बैठक मंडल अध्यक्ष पाली राधा तिवारी की अध्यक्षता और प्रभारी अमृत लाल जयसवाल के नेतृत्व में संपंन हुई हैं। बैठक में पाली मंडल के शक्ति केन्द्र प्रभारीयों ने भाग लिया। भाजपा संगठन को सुदृढ़ बनाने और जन जन तक भाजपा की रीति नीति सरकार की उपलब्धियों से अवगत कराने के लिए रणनीति तैयार की गयी है। आज की बैठक में मंडल महामंत्री विमल अग्रवाल, लोकनाथ सिंह,देवी सिंह पूर्व नगर पालिका परिषद अध्यक्ष प्रकाश पालीवाल, वरिष्ठ भाजपा नेता व पूर्व कोषाध्यक्ष सरजू प्रसाद अग्रवाल, पूर्व नगर पालिका उपाधयक्ष सुदामा प्रसाद विश्वकर्मा, वरिष्ठ भाजपा नेता व पूर्व पार्षद बहादुर सिंह उर्फ कालिका सिंह पूर्व जिला महामंत्री अर्जुन सिंह सैयाम नव नियुक्त जिला उपाध्यक्ष श्रीमती बेला सिंह, सह कोषाध्यक्ष प्रेमलता बर्मन, केसरी नाथ अग्रवाल,ओंकार प्रसाद चतुर्वेदी, भरत प्रजापति, श्री मती सविता सिंह , मंडल उपाध्यक्ष कामता विश्वकर्मा, भीमसेन सिंह सुरेश विश्वकर्मा अनुपम वर्मा, प्रेम गुप्ता राजेश यादव, राकेश पाण्डेय, कौशल यादव, रामदयाल, किशन कोरी, ममता बर्मन, शीतल सिंह, कुलदीप बर्मन, संजय तिवारी, लाल जी के साथ अन्य भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

माघ माह प्रारंभ, स्नान व दान करने से होती है पुण्य की प्राप्ति

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

पौष मास की पूर्णिमा से आरम्भ होकर माघ पूर्णिमा तक चलने वाला माघ स्नान अति पुण्य प्रदान करने वाला माना गया है। माघ माह का आगाज रविवार 4 जनवरी से हो गया है जो 1 फ़रवरी 2026 तक रहेगा। माघ माह भगवान विष्णु की आराधना, पवित्र संगम स्नान, ओर उत्तम दान पुण्य के लिए सबसे प्रिय ओर विशेष महीना माना जाता है। इस माह मैं सूर्य के उत्तरायण होने से आध्यात्मिक ऊर्जा बढ़ती है। यह महीना तप का है, जिससे पापों का नाश ओर मोक्ष मिलता है। इस महीने में तीर्थ दर्शन करने की भी परंपरा है। इसी माह लोहड़ी, मकर संक्रांति पर्व मनाए जाएंगे। माघ माह में स्लीमनाबाद तहसील के मंदिरों में विविध कार्यक्रम आयोजित होंगे। माघ मास स्नान करने प्रसिद्ध रुपनाथ धाम, जिलहरी धाम, तपत कुंड धाम सहित नदी व सरोवरों मे स्नान करने लोग पहुंचेंगे। स्लीमनाबाद स्थित सिंहवाहिनी मंदिर मे महिला मंडल की सदस्यों के द्वारा राम नाम संकीर्तन व रामचरित मानस पाठ का गायन किया जायेगा।माघ मैं स्नान का विशेष महत्व-पंडित दिलीप पौराणिक ने बताया किमाघ स्नान करने वाले मनुष्यों पर भगवान विष्णु प्रसन्न रहते हैं और उन्हें सुख-सौभाग्य, धन-संतान और मोक्ष प्रदान करते है। यदि सकामभाव से माघ स्नान किया जाय तो उससे मनोवांछित फल की सिद्धि होती है। इस माह के महत्व पर तुलसीदास ने श्री रामचरित मानस के बालखण्ड में लिखा है-'माघ मकर गति रवि जब होई ,तीरथपतिहिं आव सब कोई । माघ स्नान से शरीर के पाप जलकर भस्म हो जाते है ।इस मास में पूजन-अर्चन व स्नान करने से भगवान नारायण को प्राप्त किया जा सकता है।माघ मास का स्नान कुछ इलाकों में तो सूर्य के दक्षिणायन से उत्तरायण में आते ही यानि मकर संक्रांति के दिन से शुरू होता है ,लेकिन अधिकतर स्थानों पर इसकी शुरुआत पौषपूर्णिमा के दिन से ही हो जाती है।

31 जनवरी तक मिलेगा सरचार्ज में छूट

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

मध्यप्रदेश सरकार की समाधान योजना 2025-26 के प्रथम चरण की अवधि एक माह और बढ़ा दी गई है। उन्होंने बताया कि बकायादार उपभोक्ताओं की सतत भागीदारी और उनके उत्साह को देखते हुए योजना के प्रथम चरण की अवधि अब 31 जनवरी 2026 कर दी गई है। पिछले साल 3 नवंबर से शुरू हुई समाधान योजना 2025-26 में शामिल होकर लाखों बकायादार उपभोक्ताओं ने सौ फीसदी तक छूट का लाभ लिया। तीन माह से अधिक के बकायादार उपभोक्ता योजना के प्रथम चरण में शामिल होकर अपना बकाया बिल एकमुश्त जमा करके 100 फीसदी तक सरचार्ज माफी का लाभ उठा सकते हैं।

यह योजना उन बकायादार उपभोक्ताओं के लिए वरदान बनी है जो सरचार्ज के कारण मूलधन राशि जमा नहीं कर पा रहे थे। अब उन्हें समाधान योजना के प्रथम चरण में सरचार्ज में 60 से लेकर 100 प्रतिशत तक छूट के साथ एकमुश्त अथवा किस्तों में भुगतान करने का विकल्प मिल रहा है।

योजना पर एक नजर

समाधान योजना 2025-26 का उद्देश्य 3 माह से अधिक अवधि के उपभोक्ताओं को बकाया विलंबित भुगतान के सरचार्ज पर छूट प्रदान करना है। यह योजना जल्दी आएं, एकमुश्त भुगतान कर ज्यादा लाभ पाएं के सिद्धांत पर आधारित है। इस योजना में उपभोक्ता को प्रथम चरण में एकमुश्त भुगतान करने पर सबसे अधिक लाभ हो रहा है जबकि द्वितीय चरण के दौरान छूट का प्रतिशत क्रमशः कुछ कम हो जाएगा। यह योजना दो चरणों में प्रारंभ होकर प्रथम चरण की शुरुआत 3 नवंबर 2025 से हुई जो कि 31 जनवरी 2026 तक चलेगी। इसमें बकाया बिल एकमुश्त जमा करने पर 60 से लेकर 100 प्रतिशत तक सरचार्ज माफ किया जा रहा। इसके बाद द्वितीय और अंतिम चरण शुरू होगा जो कि 01 फरवरी से 28 फरवरी 2026 तक चलेगा, दूसरे चरण में 50 से 90 फ़ीसदी तक सरचार्ज माफ किया जाएगा। पंजीयन हेतु अलग-अलग उपभोक्ता श्रेणी के लिए पंजीयन राशि निर्धारित की गई है। घरेलू एवं कृषि उपभोक्ता कुल बकाया राशि का 10 प्रतिशत तथा गैर घरेलू और औद्योगिक उपभोक्ता कुल बकाया राशि का 25 प्रतिशत भुगतान कर पंजीयन कराकर योजना में शामिल होकर लाभ उठा सकते हैं। विस्तृत विवरण तीनों कंपनियों की वेबसाइटों पर भी देखा जा सकता है साथ ही विद्युत वितरण केंद्र में पहुंचकर भी योजना के संबंध में जानकारी ले सकते हैं।

43586 किसानों ने बेंची धान, 530 करोड़ का हुआ भुगतान

जिले में अब तक 3 लाख 61 हजार मीट्रिक टन से अधिक धान उपार्जित

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में जिले में 1 दिसंबर से समर्थन मूल्य पर शुरू हुये धान उपार्जन में 3 जनवरी तक कुल 43 हजार 586 कृषकों से अब तक 3 लाख 61 हजार 764 मीट्रिक टन धान का उपार्जन किया जा चुका है। जिले में अब तक 58 हजार 965 कृषकों द्वारा स्लॉट की बुकिंग की जा चुकी है तथा 2 लाख 62 हजार 655 मीट्रिक टन के स्वीकृति पत्रक भी जारी किये जा चुके है। साथ ही अब तक कृषकों को उपार्जित धान का 530.47 करोड़ रुपये का भुगतान भी किया जा चुका है।

उपार्जन में बहोरीबंद अग्रणी

जिले में अब तक समर्थन मूल्य पर हुए धान उपार्जन के मामले में तहसील बहोरीबंद अग्रणी है। यहां अब तक की स्थिति में कुल 8608 किसानों से 73 हजार 206 मीट्रिक टन धान का उपार्जन किया जा चुका है। जबकि दूसरे नंबर पर तहसील ढ़ीमरखेड़ा में 8136 किसानों से 56 हजार 894 मीट्रिक टन धान समर्थन मूल्य पर उपार्जित की जा चुकी है।

इसी प्रकार बड़वारा तहसील में अब तक 6252 किसानों से 46 हजार 446 मीट्रिक टन धान उपार्जित की गई है। जबकि रीठी तहसील में 4808 कृषकों से 45 हजार 888 मीट्रिक टन धान उपार्जित की जा चुकी है। विजयराघवगढ़ तहसील में अब तक की स्थिति में 5101 किसानों से 41 हजार 929 मीट्रिक टन धान उपार्जित की गई है। वहीं बरही तहसील में 4109 किसानों से 36 हजार 428 मीट्रिक टन धान उपार्जित की जा चुकी है।

इसके अलावा स्लीमनाबाद तहसील में 3213 किसानों से 29 हजार 336 मीट्रिक टन, कटनी नगर तहसील में 1904 किसानों से 19 हजार 770 मीट्रिक टन और कटनी ग्रामीण तहसील में 1455 किसानों से 11 हजार 868 मीट्रिक टन तथाव धान की खरीदी की जा चुकी है।

कलेक्टर श्री तिवारी ने धान उपार्जन कार्य से जुड़े सभी अधिकारियों को धान उपार्जन केन्द्रों में तिरपाल, पन्नी सहित अन्य समस्त आवश्यक इंतजाम पुख्ता रखनें के निर्देश दिए है। इसके अलावा कलेक्टर ने खरीदी केन्द्र प्रभारियों और इस कार्य से संबंधित सभी अधिकारियों को दो टूक लहजे मे निर्देशित किया है कि किसानों के हित से जुड़े मामले में किसी भी स्तर पर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा कर निगमायुक्त ने दिये निर्देश

मवेशियों के आवारा विचरण, अमानक पालीथन के उपयोग पर करें जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

नगर क्षेत्र में वायु प्रदूषण को नियंत्रित कर नागरिकों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा वर्तमान में किए जा रहे प्रयासों में और भी सुधार की गुंजाइश है। इसके लिए निर्धारित रूट चार्ट के अनुरूप ही प्रत्येक मार्ग की सुनियोजित एवं सतत सफाई के प्रयासों को और भी व्यापक स्तर से किए जाने की आवश्यकता है।तभी नगर को पूर्ण रूप से स्वच्छ एवं व्यवस्थित करने में सफलता हासिल की जा सकेगी। उक्त बात निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक के दौरान कही।

करें सम्मिलित प्रयास

निगमायुक्त ने प्रमुख सड़कों एवं सार्वजनिक स्थलों पर नियमित यांत्रिक एवं मैनुअल सफाई करने, स्वीपिंग मशीन के माध्यम से धूल नियंत्रण की कार्यवाही अनवरत जारी रखने के निर्देश दिए। निगमायुक्त सुश्री परिहार ने मुख्य मार्गों के किनारे, डिवाइडर तथा पेवर ब्लॉक के ऊपर जमा धूल मिट्टी की सफाई कराकर एकत्रित धूल मिट्टी को ट्रैक्टर ट्राली से ढक कर उचित स्थान में डंप कराने की कार्यवाही हेतु स्वास्थ्य विभाग एवं उद्यान विभाग को आपसी समन्वय से कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया।

स्पॉट फाइन की कार्यवाही करने दिये निर्देश

निगमायुक्त ने घुमंतू मवेशियों के विचरण पर नियंत्रण हेतु रोजाना कारगर कार्यवाही करने के साथ ही सफाई नियमों का पालन नहीं करने, अमानक पॉलीथिन का उपयोग करने, निर्माण एवं विध्वंस कार्यों से उत्पन्न धूल पर नियंत्रण तथा सार्वजनिक मार्गों पर निर्माण सामग्री रखने वालों के विरुद्ध स्पॉट फाइन की कार्रवाई करने के निर्देश भी बैठक में अधिकारियों को दिए।

हरित क्षेत्र विकास की दिशा करें प्रयास

मुख्य मार्गों की सुंदरता और हरित क्षेत्र विकास की दिशा में डिवाइडर के अंदर सुंदर छोटे फूलदार पौधों का रोपण कर स्प्रिंकलर के माध्यम से डिवाइडर के पौधों की सिंचाई करने के निर्देश बैठक के दौरान अधिकारियों को दिए।

जंगल में विस्फोटक चबाने से गाय का जबड़ा फटा, लोगों में आक्रोश

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

रीठी थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पटौहा के जंगल से शनिवार की दोपहर विस्फोटक से एक गाय गंभीर रूप से घायल हो गई। जानकारी के अनुसार पशु पालक दिनेश राय की गाय रोज की तरह पटौहा के जंगल में चरने के लिए गई हुई थी। इसी दौरान गाय ने जंगल में पड़ी किसी विस्फोटक वस्तु को खा लिया, जिससे तेज धमाका हुआ और गाय के मुंह का जबड़ा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद गाय दर्द से तड़पती हुई जंगल से बाहर निकली, जिसे देखकर ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। पशु पालक दिनेश राय ने तत्काल ग्रामीणों की मदद से घायल गाय को उपचार के लिए सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। पशु चिकित्सकों के अनुसार विस्फोट की वजह से गाय के मुंह और जबड़े में गंभीर चोटें आई हैं, जिससे उसका भोजन करना भी मुश्किल हो गया है। इस घटना से क्षेत्र के पशु पालकों में भारी आक्रोश और भय का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जंगल में इस तरह की विस्फोटक वस्तुएं रखी जा रही हैं, तो इससे न सिर्फ मवेशियों बल्कि इंसानों की जान को भी खतरा है।

साप्ताहिक बाजार के दिन सुपर स्प्लेंडर अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी

हरिभूमि न्यूज कोतमा। रविवार साप्ताहिक बाजार के दिन नगर में रहने वाले मो आफ़्ताब को अपने दादा को लेने स्टेशन जाना महंगा पड़ गया। ब्रिज के पास खड़ी गाड़ी सुपर स्प्लेंडर को अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी कर फरार हो गए स्टेशन से बाहर आने के बाद मोहम्मद आफताब की गाड़ी न पाने पर हक्का-बक्का रह गया जिसके बाद आनन फानन में आसपास पता तलाश करने के बाद भी गाड़ी नहीं मिल सकी। थाने में शिकायत दर्ज कराने पर पुलिस ने युवक के साथ बाजार व आसपास के कैमरे की जांच करने पर स्टेशन चौक में लगे कैमरे में वाहन को चोरी कर ले जाने की घटना कैद हो गई। अन्य जगहों के कैमरे की जांच करने का प्रयास किया गया लेकिन नगर पालिका के लगाए गए कई कैमरे बंद होने से चोरों की पूरी जानकारी नहीं मिल पाई। गाड़ी क्रमांक एमपी 65 जेडबी 5429 के मालिक मोहम्मद इकबाल निवासी कोतमा के द्वारा थाने में दर्ज कराई गई है। पुलिस के द्वारा वाहन चोर की तलाश में बाजार एवं अन्य जगहों पर जांच की जा रही है वाहन चोरी से जुड़े कुछ संदेहियों को भी थाने लाकर पूछताछ भी की जा रही है।

नियमों को ताक पर रख खनिज माफिया कर रहे वन संपदा का दोहन

खनिज माफियाओं का गढ़ बना राजेन्द्रग्राम, 40 से 50 क्रेशर कर रहे पहाड़ का सीना छलनी

शासन प्रशासन की कार्यवाही सिफर

जिले के मैकलांचल की गोद मे बसा राजेन्द्रग्राम जिसकी सुंदरता को देखने के लिए देशी विदेशियों का आवागमन बना रहता है वहीं मैकल पहाड़ की सुरक्षा से यह पठारी क्षेत्र अपनी सुंदरता में चार चांद लगा देता है। जिसे पड़ोसी जिले के लोग पठार की छाती को छलनी करने को आमादा हो चुके है जो धन के बल पर नियम कानून को बलाये ताक पर रख नौकरशाही को मशीनरी कांटे से तौलकर पुष्पराजगढ़ के 273 गाँव के आस पास अपना मकड़जाल फैला चुके है। पुष्पराजगढ़ क्षेत्र में वर्तमान समय मे लगभग 40 से 50 क्रेशर वन संपदा को निगल रहे है जिसके चलते यहां की जलवायु विगत 15 वर्षों से परिवर्तित हो चुकी है जिसका खामियाजा विभिन्न रोगों से ग्रसित होकर इस क्षेत्र में निवासरत आमजन भुगत रहे हैं वहीं क्षेत्र की उपजाऊ जमीन बंजर के रूप में परिवर्तित होते जा रही है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

वन संपदाओं से परिपूर्ण आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र इन दिनों खनिज माफियाओं का गढ बना हुआ है। माफियाओं के द्वारा जिस प्रकार से खनिज पत्थर व मुरूम का मन चाहे स्थान से उत्खनन किया जा रहा है उससे यहां लगे बेशकीमती पेड़ पौधों के साथ जडी बूटियां समाप्त होती जा रही है, वहीं स्वस्थ विचरण करने वाले जीव जन्तुओं का जीवन खतरे में पड गया है। जबकि वन संपदाओं से परिपूर्ण इस क्षेत्र स्थित मैकल वादियों की सुंदरता को देखने के लिए आज भी विदेशो से शैलानी पहुंचते है, लेकिन जिस गति से माफिया यहां अवैध उत्खनन को अंजाम दे रहे है उससे आने वाले दिनों में पठारी क्षेत्र का नक्शा ही बदल जायेगा।

सीना छलनी करने जुटे माफिया

पुष्पराजगढ़ क्षेत्र में बेशकीमती खनिज व पत्थरों से आच्छादित पहाडो का सीना छलनी करने में जिले सहित संभाग के अलावा छत्तीसगढ़ के खनिज माफिया दिन दूनी रात चौगनी गति से जुटे हुए हैं और यह सब कुछ बगैर प्रशासन व नेताओं की मिलीभगत के संभव नही है। सच्चाई प्रकाशित होने के बाद कभी कभार छोटे मोटे अवैध खनिज कारोबारियों के वाहनों पर कार्यवाही कर प्रशासन कोरम पूरा कर रहा है। माफियाओं की तरफ तो कार्यवाही की निगाहें ही नही घुमाई जाती।

चार दर्जन से ज्यादा क्रेशर

पुष्पराजगढ़ के पठारी क्षेत्र में दर्जनों क्रेशर संचालित है, यहां किसी भी क्रेशर मालिक के पास उसके संचालन के लिए नियमतः वैधानिक दस्तावेज पूर्ण नही होगें उसके बाद भी बेखौफ होकर पत्थरों का उत्खनन व फिर उसे क्रेशिंग करने का कार्य पूरे समय चलता है। जानकारी देने के बाद प्रशासन कार्यवाही की जहमत तक नही उठाता। जिसकी वजह से कारोबारियों के हौसले सातवें आसमान पर है।

... तो यहां चुनौती बने माफिया

तहसील मुख्यालय पुष्पराजगढ़ से तकरीबन 25 किलोमीटर दूरस्थ ग्राम भरनी, ताली व पमरा में स्थित क्रेशर समेत अन्य स्टोन क्रेशर मालिकों द्वारा यहां की धरती को खोदकर अपनी झोली तो भरी जा रही है, लेकिन शासन की झोली को खाली रखा जा रहा है। छत्तीसगढ़ के माफियाओं ने यहां इस कदर जाल बिछा रखा है कि बिना उनके इशारे पर जैसे चिड़िया पर नही मार सकती हर्राटोला का क्रेशर हो या फिर विचारपुर या परसेल, पौनी, खतगांव के अलावा मेढाखार सहित बड़ी तुम्मी, करपा, बसही, दोनिया, लपटी, पमरा आदि स्थानों में लीज से परे हटकर हैवी ब्लास्टिंग के माध्यम से पत्थरों का उत्खनन किया जा रहा है।

प्रदूषण ने किया जीना दुश्वार

लगातार जिस गति से यहां पर पत्थरों के उत्खनन के लिए माफियाओं ने ब्लास्टिंग की होड लगा रखी है उससे आस पास के गांवों में रहने वाले ग्रामीणों का प्रदूषण की वजह से जीना दूभर हो गया है। ना जाने कितने वन्य जीव इस ब्लास्टिंग की चपेट में आकर कालकवलित हो गये होगें पता नही, लेकिन इतना जरूर है ग्रामीण विभिन्न बीमारियों के शिकार होकर हर दिन अस्पताल पहुंच रहे हैं।

खदान दुर्घटना में मृत्यु पर अनुग्रह राशि 15 लाख से बढ़ाकर 25 लाख

संविदा कर्मियों के लिए सीएसपी के तहत बीमा कवरेज किया गया 40 लाख रुपए मृतक के परिजनों को किया जाएगा सीधे भुगतान

हरिभूमि न्यूज़ राजनगर। कोल इंडिया ने अपनी वी केयर पहल के तहत खदान दुर्घटना में होने वाली दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु की स्थिति में देय अनुग्रह राशि को 15 लाख से बढ़ाकर 25 लाख रुपये कर दिया है। यह बढ़ा हुआ मुआवजा नियमित कर्मचारियों और ठेका श्रमिकों दोनों पर समान रूप से लागू होगा। मृतकों के परिवारों को सीधे भुगतान किया जाएगा, जिससे समय पर और पारदर्शी सहायता सुनिश्चित होगी। हालांकि कर्मचारियों को लेकर शून्य क्षति मिशन बना हुआ है। उल्लेखनीय है, कि कोयला मंत्रालय ने कोल इंडिया के कर्मचारियों के लिए नई वर्दी, कॉर्पोरेट वेतन पैकेज (सीएसपी) और अनुग्रह लाभों में बढ़ोतरी शुरूआत की है। कोयला मंत्रालय के मार्गदर्शन में इन पहलों को कोयला श्रमिकों के सम्मान, सुरक्षा और कल्याण में सुधार पर विशेष ध्यान देते हुए सावधानी पूर्वक डिजाइन और कार्यान्वित किया गया है। कोयला श्रमिकों के कल्याण, सुरक्षा और सम्मान को राष्ट्रीय विकास के केंद्र में रखा गया है। यह दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है। है कि देश की ऊर्जा सुरक्षा में उनके योगदान को सम्मान, संरक्षण और निरंतर समर्थन मिले यह बढ़ी हुई अनुग्रह राशि कोल इंडिया के उस संकल्प को दर्शाती है, कि नुकसान होने पर तुरंत और सहानुभूतिपूर्वक कार्रवाई की जाए और प्रभावित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ा रहा जाए। सुरक्षा हर कर्मचारी की-सुरक्षा में एकजुट, भविष्य के लिए सशक्त टैगलाइन के तहत शुरू किया गया कॉर्पोरेट वेतन पैकेज, कोल इंडिया के कर्मचारियों की वित्तीय सुरक्षा में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक है। यह एक दूरदर्शी वित्तीय पहल है जिसे प्रत्येक कोयला कर्मचारी और उनके परिवार को निर्बाध, सुरक्षित और आधुनिक बैंकिंग सुविधाओं से सशक्त बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। यह पैकेज नियमित कर्मचारियों के लिए 1 करोड़ रुपये और संविदा कर्मचारियों के लिए 40 लाख रुपये का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा कवरेज प्रदान करता है। इस योजना के तहत कोल इंडिया के 2.15 लाख नियमित कर्मचारी और 44 हजार संविदा/ठेका कर्मचारी पहले ही नामांकित हैं। इसे दस प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के साथ समझौता ज्ञापन के माध्यम से कार्यान्वित किया गया है, जिससे लाभों की व्यापक पहुंच और कुशल वितरण सुनिश्चित होता है। इसके लिए कर्मचारियों को कोई प्रीमियम देने की आवश्यकता नहीं है। लाभ सीधे भागीदार बैंकों के माध्यम से प्रदान किए जाते हैं, जिससे यह वास्तव में एक कल्याणकारी पहल बन जाती है।

अमरकंटक की चंडी गुफा आस्था, शक्ति और तप का अद्भुत संगम

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। पावन तीर्थ नगरी अमरकंटक में स्थित चंडी गुफा आस्था, तपस्या और दिव्य ऊर्जा का एक अत्यंत प्राचीन व रहस्यमय शक्ति स्थल मानी जाती है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार यह स्थल माता सती का शक्तिपीठ है, जहां आज भी अलौकिक और आध्यात्मिक ऊर्जा का विशेष अनुभव होता है। घने जंगलों और सुंदर, रमणीय पहाड़ियों के मध्य स्थित चंडी गुफा तक पहुंचना आसान नहीं है। श्रद्धालुओं को कठिन एवं संकरी पहाड़ी पगडंडियों से होकर नीचे उतरना पड़ता है, जो स्वयं में एक तपस्या समान है। यही कठिन यात्रा भक्तों की आस्था और श्रद्धा की सच्ची परीक्षा लेती है। चंडी

गुफा का प्राकृतिक सौंदर्य अत्यंत मनोहारी है। चारों ओर फैली हरियाली, शांति और पहाड़ों की गोद में स्थित यह गुफा ध्यान, साधना और आत्मिक शांति के लिए एक अनुपम स्थान है। यहां पहुंचने वाले श्रद्धालु बताते हैं कि गुफा में प्रवेश करते ही एक अद्भुत शांति और सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव होता है। मान्यता है कि प्राचीन काल से साधु-संत और तपस्वी इस गुफा में साधना करते आए हैं। नवरात्रि एवं विशेष पर्वों पर यहां श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ जाती है, हालांकि आज भी यह स्थल अपेक्षाकृत कम प्रचारित होने के कारण अपनी प्राकृतिक पवित्रता और मौन साधना का वातावरण बनाए हुए है। चंडी गुफा न केवल एक धार्मिक स्थल है, बल्कि यह अमरकंटक की आध्यात्मिक पहचान को और अधिक सुदृढ़ करता है। यह स्थान श्रद्धालुओं को भक्ति, साहस और आत्मिक शक्ति का अनुभव कराता है, जो जीवन में नई ऊर्जा और सकारात्मकता का संचार करता है।

6 साल की बच्ची को मिठाई खिलाने के बहाने जंगल में किया दुष्कर्म, गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर

अनूपपुर के जैतहरी थाना अंतगर्त एक आदिवासी परिवार की 6 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ 19 वर्षीय युवक ने दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। इस घटना से समाज में बाल संरक्षण और सार्वजनिक सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता पैदा करता है। पुलिस ने आरोपी युवक को शनिवार की रात हिरासत में लेकर पूछतांछ के बाद गिरफ्तार किया। जिसे न्यायालय में प्रस्तुत करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

शाम तक जेल भेज दिये जाने की संभावना हैं। जानकारी के अनुसार, पीड़ता के पड़ोस में रहने वाले 19 वर्षीय युवक ने बच्ची को मिठाई खिलाने का लालच दे बच्ची को दो पहिया वाहन पर बैठाकर जंगल की ओर ले गया, जहां उसने इस अमानवीय कृत्य को अंजाम दिया। घटना के बाद आरोपी ने बच्ची को धमकी दी कि घटना के बारे में किसी को न बताये और उसे घर छोड़कर मौके से फरार हो गया।

घर पहुंचने पर बच्ची ने साहस दिखाते हुए मॉ को घटना की पूरी जानकारी दी। परिजन तत्काल बच्ची को लेकर जैतहरी थाना पहुंचे और पूरे मामले की शिकायत दर्ज कराई। शिकायत पर पुलिस ने मामले को गंभीर अपराध मानते हुए त्वरित कार्रवाई करते हुए 65-2, 351-3, 3, 4, 5 एवं 6 पाक्सो एक्ट 64 व/ड, 137-2 के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच प्रारंभ की। पुलिस टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए आरोपी की पहचान की और उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान ने बताया कि आरोपी पीड़ता का पड़ोसी है और उसने भरोसे का गलत फायदा उठाकर यह अपराध किया। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

धनगवां के जंगल में 12 दिनों से डेरा जमायें बैठे तीन हाथी, 4 दिनों से नहीं हुई हलचल

गस्ती दल सजग, ग्रामीणों को जंगल नहीं जाने की सलाह

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। अनूपपुर में तीन हाथियों का समूह विगत 12 दिनों से वन परिक्षेत्र जैतहरी के धनगवां वन बीट के जंगल में निरंतर विचरण कर रहे हैं। जो रात में ग्रमीण क्षेत्र में खेतों में लगी फसलो को आहार बनाते हैं। अभी तक किसी अप्रिय घटना की जानकारी नहीं हैं। इस बीच कुछ के घरों में तोडफोड़ की थी। चार दिनों से हाथियों का समूह रात के समय भी जंगल से बाहर नहीं निकल रहे हैं। ग्रामीणों हाथियों के डर से रतजगा कर रहें हैं। जिले के जैतहरी वन परिक्षेत्र के धनगवां वन बीट के जंगल में 12 दिनों से 3 हाथियों ने डेरा जमाये हुए हैं। वहीं चार दिनों से रात के समय भी जंगल से बाहर नहीं निकल रहे हैं। जिससे गस्ती दल हाथियों के विचरण पर नजर बनाए रखते हुए

ग्रामीणों को जंगल नहीं जाने, जंगल से लगे पगडंडी रास्तों से शाम होने के बाद नहीं चलने, हाथियों के विचरण कि किसी भी तरह की जानकारी मिलने पर वन विभाग को दिए जाने, सचेत एवं सतर्क रहने की हिदायत दी है।

तीनों हाथी धनगवां बीट से लगे कुसुमहाई के पालाडोल, पटौरा, चोई के भलुवान टोला घर, गोढाटोला कुकुरगोंड़ा के बड़का टोला, सरईहा एवं अन्य टोला मोहल्ला की सीमा में लगे जंगल के अंदर जमे हुए हैं। आसपास के ग्रामीणों को जो लकड़ी लेने या अन्य कार्यों से जंगल या अपने खेतों में जाते हैं उन्हें हाथियों के ठहरने, घूमते रहने की तथा पेड़ पौधों को तोड़कर खाने की आहट मिलती है तो विभाग द्वारा मंडल स्तर एवं वन परिक्षेत्र जैतहरी स्तर पर दो अलग-अलग गश्ती दल तैयार किया गया है जो ग्रामीणों के साथ हाथियों के विचरण पर नजर रख रहे हैं। वहीं हाथियों के निरंतर धनगवां बीट के जंगल में ठहरे होने के कारण आसपास के कई ग्रामो के ग्रामीण हाथियों के डर से रात-रात भर जाकर रात बिताने को मजबूर हैं। वही कुछ ग्रामीण पेड़ में सामान एवं खाट रख कर एवं पुलिया के नीचे अस्थाई निवास बना रखा हैं। ग्रामीणों ने बताया कि हाथियों का समूह देर शाम से देर रात होते ही किसी भी समय किसी भी मोहल्ले में प्रवेश कर जाने की संभावना बनी रहती हैं।

अमरकंटक में पवित्र माघ मास के प्रथम दिवस उमड़ी श्रद्धालुओं की आस्था

मां नर्मदा में लगाई पुण्य डुबकी

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक में पवित्र माघ मास के शुक्ल पक्ष प्रतिपदा, प्रथम दिवस के पावन अवसर पर श्रद्धा और भक्ति का अनुपम दृश्य देखने को मिला। इस अवसर पर हजारों की संख्या में भक्त श्रद्धालु, तीर्थ यात्री, दर्शनार्थी एवं परिक्रमा वासी पतित पावनी पुण्य सलिला मां नर्मदा के पावन तटों पर पहुंचे और आस्था की पुण्य डुबकी लगाई। श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा जी के रामघाट उत्तर एवं दक्षिण तट, कोटि तीर्थ, घाट कुंड तथा पुष्कर बांध में विधिपूर्वक स्नान कर धर्म लाभ अर्जित किया। इसके पश्चात भक्तों ने मां नर्मदा उद्गम स्थल मंदिर में विधि-विधानपूर्वक दर्शन, पूजन एवं अर्चन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। माघ मास के प्रथम दिवस के साथ ही एक माह तक चलने वाले माघ स्नान एवं कल्पवास का धार्मिक एवं आध्यात्मिक विधान भी विधिवत प्रारंभ हो गया। सुबह तड़के से ही घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी, जो दिनभर लगातार बनी रही। मंदिर परिसर में भी दर्शनार्थियों की भारी भीड़ देखी गई। इस पावन अवसर पर छत्तीसगढ़ प्रांत के बिलासपुर, मुंगेली, तखतपुर, लोरमी, रायपुर, मनेन्द्रगढ़, चिरमिरी एवं कोरिया, उत्तर प्रदेश के झांसी, कानपुर, लखनऊ, तथा मध्यप्रदेश के अनूपपुर, शहडोल, डिंडोरी, जबलपुर, बालाघाट एवं छिंदवाड़ा जिलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु अमरकंटक पहुंचे। हालांकि मौसम में ठंड अपेक्षाकृत कम होने के कारण श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह एवं श्रद्धा भाव के साथ मां नर्मदा में स्नान किया। दिनभर घाटों और मंदिर परिसर में भक्ति, श्रद्धा और सनातन आस्था का वातावरण बना रहा।

पर्यावरण संरक्षण का संदेश देता सीएफसी फुटबॉल टूर्नामेंट संपन्न

पेनल्टी शूटआउट में देवहरा ने 4/3 से जीता

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। सीएफसी के तत्वावधान में आयोजित जिला स्तरीय पर्यावरण जनजागृति फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन 18 दिसंबर से इंडोर स्टेडियम पपरौडी, खूंटाटोला में किया गया, जिसका समापन 4 जनवरी को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। टूर्नामेंट की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि प्रत्येक मैच के

दौरान एक वृक्ष का रोपण किया गया। खेल के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश देना सीएफसी टूर्नामेंट की अनुकरणीय पहल रही समापन समारोह में कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में हीरा सिंह श्याम, जिला अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी अनूपपुर उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि के रूप में रमेश सिंह, पूर्व अपर कलेक्टर शामिल हुए तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में राजीव सिंह, जनपद अध्यक्ष जैतहरी की उपस्थिति रही। इसके अतिरिक्त संदीप पदवार, जिला अध्यक्ष आम आदमी पार्टी अनूपपुर भी विशेष रूप से मौजूद रहे। आयोजन समिति में अध्यक्ष भुवन सिंह, सरपंच ग्राम पंचायत पपरौडी एवं उपाध्यक्ष रजीत सिंह, जिला पंचायत सदस्य अनूपपुर रहे।

समापन दिवस पर देवहरा एवं मेड़यिारास टीम के बीच फाइनल मुकाबला खेला गया। निर्धारित समय में बराबरी के बाद पेनल्टी शूटआउट में देवहरा टीम ने 4/3 से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। इस आयोजन की सफलता में खूंटाटोला क्षेत्र के अध्यापक संघ का सराहनीय योगदान रहा। साथ ही आसपास के जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंचों का महत्वपूर्ण सहयोग भी देखने को मिला। अतिथियों ने अपने संबोधन में प्रत्येक मैच में वृक्षारोपण जैसी पहल की प्रशंसा करते हुए आयोजकों को शुभकामनाएं दीं। समापन अवसर पर सभी ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

मिलर्स की समस्याओं के समाधान तक अनूपपुर में धान मिलिंग पर रोक

लंबित भुगतान व अपडेशन राशि को लेकर एसोसिएशन का फैसला

कलेक्टर की अध्यक्षता में हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। उपार्जित धान के भंडारण एवं परिवहन की व्यवस्था तथा वर्ष 2025-26 की मिलिंग प्रक्रिया की समीक्षा को लेकर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रभारी कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ अर्चना कुमारी ने की। बैठक में जिला आपूर्ति अधिकारी अनीता सोरते, नागरिक आपूर्ति निगम की जिला प्रबंधक प्रियंका पठारिया, अरविंद सिंह, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सहित अनूपपुर राइस मिलर्स एसोसिएशन के अध्याक्ष रावेन्द्र कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष रविन्द्र कुमार अग्रवाल, सचिव दीपेन्द्र केशरवानी, कोषाध्यएक्ष राहुल केशरवानी सहित जिले के समस्त राईस मिलर्स उपस्थित रहे। बैठक के दौरान वर्ष 2025-26 के लिए मिलिंग अनुबंध किए जाने को लेकर चर्चा की गई। इस अवसर पर मिलर्स ने अपडेशन राशि तथा वर्ष 2024-25 की मिलिंग राशि का भुगतान अब तक नहीं होने की समस्या उठाई। प्रभारी कलेक्टर अर्चना कुमारी ने जिले में उपार्जित धान के भंडारण की कमी को देखते हुए निर्देश दिए कि राइस मिलों में उपलब्ध रिक्त गोदामों का उपयोग भंडारण के लिए किया जाए। साथ ही आवश्यकता पड़ने पर अंतर-जिला परिवहन की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

मिलर्स एसोसिएशन ने मिलिंग न करने का लिया निर्णय

बैठक में अनूपपुर राइस मिलर्स एसोसिएशन ने राइस मिलों से जुड़ी गंभीर समस्याओं के निराकरण तक धान मिलिंग कार्य प्रारंभ न करने का निर्णय लिया। इस संबंध में एसोसिएशन द्वारा कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। एसोसिएशन ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा वर्ष 2025-26 की धान मिलिंग नीति जारी किए जाने के बाद 3 दिसंबर 2025 को कलेक्टर की अध्यक्षता में बैठक हुई थी, जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया था कि शासन स्तर की लंबित समस्याओं के समाधान के बिना मिलिंग संभव नहीं है। मिलर्स ने बताया कि वर्ष 2024-25 की मिलिंग पर देय अपडेशन राशि के भुगतान आदेश अब तक जारी नहीं हुए हैं, जिससे अधिकांश राइस मिलों की आर्थिक स्थिति कमजोर हो चुकी है और कई मिलें बैंक डिफाल्टर होने की स्थिति में पहुंच गई हैं। इसके अलावा वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 की मिलिंग के अंतर्गत धान-चावल की लोडिंग-अनलोडिंग सहित अन्य मदों के भुगतान आदेश भी लंबित हैं। समितियों में जमा बोरियों पर राज्यांश उपयोगिता व्यय की राशि का भुगतान भी अब तक नहीं हुआ है।

एसोसिएशन ने यह भी कहा कि नई मिलिंग नीति में अपडेशन राशि को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं हैं, जबकि बिना अपडेशन राशि के मिलिंग कर पाना संभव नहीं है। साथ ही रिजेक्शन एवं टूट-फूट से होने वाले नुकसान की भरपाई की भी मांग की गई। अनूपपुर राइस मिलर्स एसोसिएशन ने शासन एवं प्रशासन से शीघ्र लंबित भुगतान आदेश जारी करने तथा मिलिंग नीति में आवश्यक संशोधन कर अपडेशन राशि की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि जिले की राइस मिलें पुनः सुचारु रूप से संचालित हो सकें।